(ग) और (घ) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड की उप-समिति की 24.9.96 को हुई बैठक में यह विनिश्चय किया गया था कि रिंग रेवले को सुदृढ़ बनाने के लिए अतिरिक्त रेलपथ बिछाने हेतु राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली की सरकार द्वारा अध्ययन किया जाएगा। इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड की उप-समिति की 10.6.97 को हुई एक अन्य बैठक में, दिल्ली में दैनिक यात्री यातायात की आवश्यकताओं को पूरा करने के अपेक्षित निवेश की पहचान करने हेतु व्यापक तकनीकी आर्थिक अध्ययन शुरू करने का विनिश्चय किया गया था। भविष्य में रिंग रेलवे और कितनी लोकप्रिय होगी, इसका पता अध्ययन पूरा होने के बाद की चल सकेगा।

अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर ही परियोजना के क्रियान्वयन के बारे में आगे की कार्रवाई का निर्णय लिया जायेगा।

माल गाड़ियों का दुर्घटनाग्रसत होना

*250. **श्री दिलीप सिंह जूदेव :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1994-95 और 1995-96 में माल-गाड़ियों की जोन-वार कितनी-कितनी दुर्घटनाएं हुई,

(ख) इनमें से कितनी मालगाड़ियों में अधिक लदान (ओवर लोडिंग) किया गया पाया गया,

(ग) अधिक लदान के संबंध में किन अधिकारियों को दोषी माना गया था, और

(घ) उक्त अवधि के दौरान मालगाड़ियों में अधिक लदान करने के मामले में दोषी पाए गए रेल कर्मचारियों तथा अन्य अन्तर्ग्रस्त व्यक्तियों के विरूद्ध की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या हैं ?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान) : (क) सूचना इस प्रकार हैं :

	मध्य	पूर्व	उत्तर	पूर्वो	पू.सी.	दक्षिण	दक्षिण मध्यम	दक्षिण पूर्व	पश्चिम	जोड़
1994-95	38	16	40	3	40	23	22	66	30	278
1995-96	31	13	19	9	12	25	16	40	22	187

(ख) 4

(ग) और (घ) लदान स्थलों आदि पर लदान के कार्य की जिम्मेदारी मुख्य रुप से परेषण की होती हैं। इस संबंधमें कोई रेल कर्मचारी जिम्मेदार नहीं पाया गया था।

रेल पटरियों पर उपेक्षित पड़े रेल इंजन तथा यात्री डिब्बे

*251. **श्री ईश दत्त यादव** :
श्री नागमणि :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपाकरेंगे कि :

(क) दुर्घटनाओं तथा अन्य कारणों से कितने रेल इंजन तथा यात्री डिब्बे रेल पटरियों पर उपेक्षित पड़े हैं,

(ख) क्या इन इंजनों तथा डिब्बों को कबाडियों द्वारा रेलवे अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ मिली भगत से टुकड़ों में चोरी की जाती हैं,

(ग) यदि हां, तो इन असुरक्षित रेल इंजनो/डिब्बों को संरक्षण प्रदान करने के लिए द्वारा रेलवे द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं, और

(घ) विभिन्न स्थानों पर पड़े इन असुरिक्षत रेल इंजनों /डिब्बों का कुल मूल्य क्या हैं?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान) : जुलाई, 97 की शुरू की स्थिति के अनुसार भारतीय रेल के विभिन्न् जोनों में दुर्घटनाग्रस्त 86 सवारी डिब्बे रेलपथ के आस-पास पड़े हुए हैं। इन सवारी डिब्बों को त्यागा नहीं गया हैं अपितु ये फिर से काम में आने लायक बनाए जाने अथवा साइट पर नीलाम किए जाने की प्रक्रिया के अधीन हैं। रेल पटरी पर अथवा उसके आस-पास कोई भी रेल इंजन पड़ा हुआ नहीं हैं।

(ख) जी नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता। बहरहाल, निपटान की जाने वाली परिसंपत्तियों को निरपवाद रुप से तब तक के लिए रेल सुरक्षा बल को सौंप दिया जाता हैं जब तक उनमें से कीमती हिस्सों को निकला नहीं लिया जाता।

(घ) जुलाई, 97 के प्रारंभ में भारतीय रेल के विभिन्न जोनों में रेलपथ के आस-पास पड़े हुए निपटान किए जाने वाले सवारी डिब्बों का कुल मूल्य लगभग 423.92 लाख रुपए हैं।